भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4231

20 दिसम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष स्वास्थ्य देखभाल का भविष्य

4231. श्री दिनेशभाई मकवाणा:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में आयुष आधारित स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा के लिए यात्रा के भविष्य को बढ़ाने की दिशा में कोई पहल की है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): जी हां, सरकार ने दिनांक 27 जुलाई, 2023 को आयुष चिकित्सा पद्धति के तहत उपचार कराने हेतु भारत आने वाले विदेशियों के लिए आयुष वीजा की एक अलग श्रेणी शुरू की है। आयुष वीजा चार उप-श्रेणियों के तहत उपलब्ध है नामत: (i) आयुष वीजा (एवाई-1), (ii) आयुष अटेंडेंट वीजा (एवाई2), (iii) ई-आयुष वीजा और (iv) ई-आयुष अटेंडेंट वीजा आयुष वीजा किसी ऐसे विदेशी को दिया जाता है जिसका एकमात्र उद्देश्य किसी संबंधित सरकारी प्राधिकरण (प्राधिकरणों) या राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्यचर्या- प्रदाता प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच)/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एनसीएच)/ भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) से मान्यता प्राप्त आयुष सेवाएं प्रदान करने वाले अस्पतालों से मान्यता प्राप्त और पंजीकृत अस्पताल/स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सीय देखभाल और वेलनेस जैसी आयुष पद्धतियों के माध्यम से उपचार करवाना हो।

दिनांक 04.12.2024 तक कुल 123 नियमित आयुष वीज़ा, 221 ई-आयुष वीज़ा और 17 ई-आयुष अटेंडेंट वीज़ा जारी किए गए हैं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मेडिकल वैल्यू ट्रैवल (एमवीटी) के लिए भारत का आधिकारिक पोर्टल लॉन्च किया है, जो एडवांटेज हेल्थकेयर इंडिया पोर्टल है। यह एक "वन-स्टॉप" पोर्टल है, जो उन लोगों के लिए सूचना की सुविधा के लिए विकसित किया गया है जो विदेश से भारत में चिकित्सा उपचार का लाभ उठाना चाहते हैं। भारत में चिकित्सा देखभाल या स्वास्थ्य सेवाओं की मांग करने वाला कोई भी अंतरराष्ट्रीय रोगी www.healinindia.gov.in पर लॉग इन करके एडवांटेज हेल्थकेयर इंडिया पोर्टल पर जा सकता है।

सरकार ने 30.09.2024 को मुंबई में 'ग्लोबल सिनर्जी इन आयुष: ट्रांसफार्मिंग हेल्थ एंड वेलनेस थ्रू मेडिकल वैल्यू ट्रैवल' विषय पर आधारित आयुष मेडिकल वैल्यू ट्रैवल समिट 2024 का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य आधुनिक स्वास्थ्य सेवा पद्धतियों के साथ पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को एकीकृत करके मेडिकल वैल्यू ट्रैवल (एमवीटी) में भारत की स्थिति को मजबूत करना था।

*****